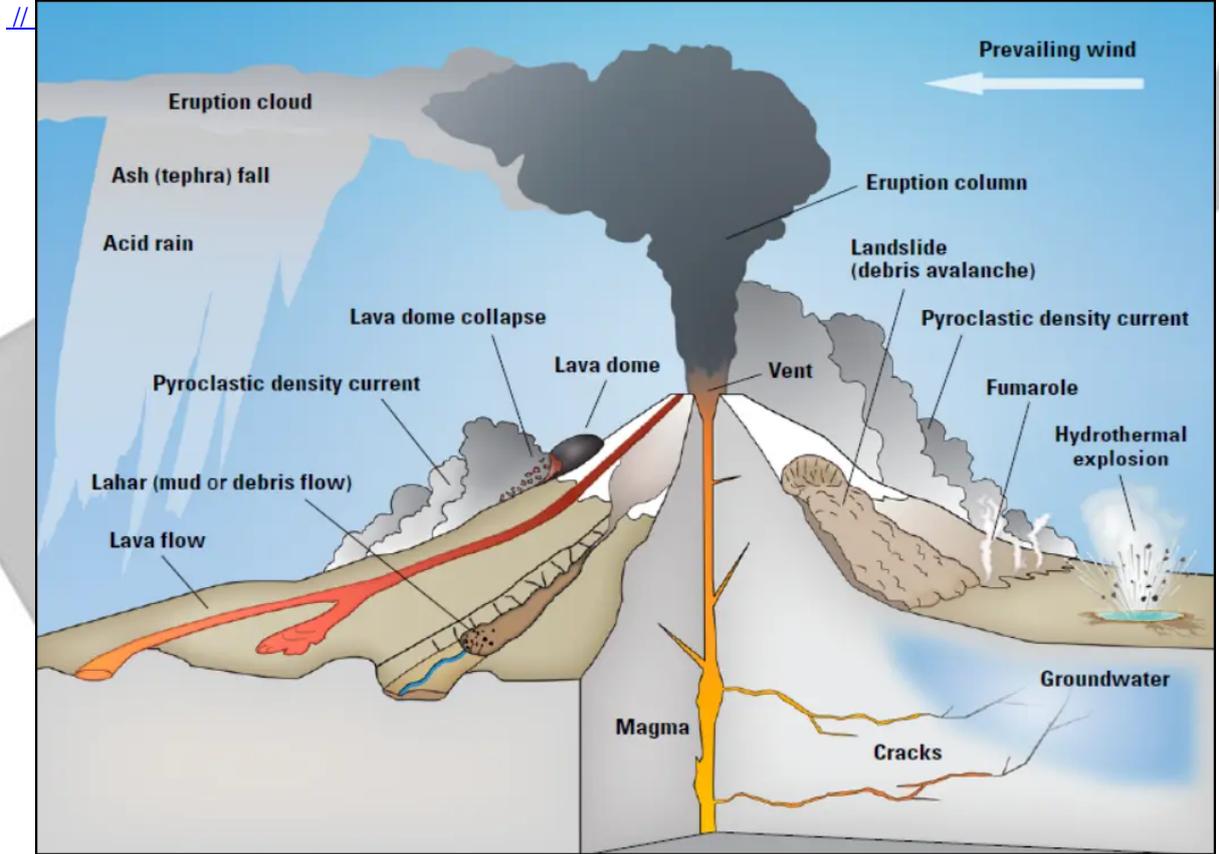


माउंट इबू में ज्वालामुखी वसिफोट

स्रोत: TH

जनवरी, 2025 में इंडोनेशिया के माउंट इबू में 1,079 बार ज्वालामुखी वसिफोट हुआ, जिसमें राख के बड़े-बड़े स्तंभ 0.3 किलोमीटर से 4 किलोमीटर की ऊँचाई तक ऊपर उठे।

- माउंट इबू इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत के हलमाहेरा द्वीप पर स्थित एक स्ट्रेटोवोलकैनो है।
 - एक स्ट्रेटोवोलकैनो, या मशरति ज्वालामुखी, लावा, राख और ज्वालामुखी मलबे की परतों से निर्मित एक खड़ी, शंक्वाकार रूपरेखा है।
 - यह आमतौर पर अभिसारी प्लेट सीमाओं और सबडक्शन क्षेत्रों में पाया जाता है।
 - माउंट वेसुवियस (इटली), माउंट फूजी (जापान), माउंट कराकाटोआ (इंडोनेशिया) स्ट्रेटोवोलकैनो के उदाहरण हैं।



- माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी, एक दो शिखर वाला ज्वालामुखी, और इंडोनेशिया में माउंट रुआंग में कई बार ज्वालामुखी वसिफोट हुआ, जिससे बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी कणों की निकासी हुई।
- इंडोनेशिया पूरशांत महासागरीय अग्नि विलय पर स्थित है, जो लगातार ज्वालामुखीय और भूकंपीय गतिविधियों के लिये जाना जाता है, जिससे यह वसिफोटों के प्रतिसंवेदनशील है।

ज्वालामुखी

ज्वालामुखी पृथ्वी की सतह पर उपस्थित ऐसा दरार या मुख होता है जिससे पृथ्वी के भीतर का गर्म लावा, गैस, राख आदि बाहर आते हैं।



● प्रकार:

❖ विस्फोट की आवधिकता के आधार पर:

- सक्रिय: जिसमें हाल ही में विस्फोट हुआ हो
- प्रसुप्त: जिसमें विस्फोट की संभावना हो, कोई आसन्न संकेत नहीं
- विलुप्त: हाल में कोई विस्फोट नहीं, भविष्य में संभावना भी कम

❖ उद्गार के आधार पर:

- हवाई तुल्य: सबसे शांत प्रकार के ज्वालामुखी (कम गैसीय सामग्री)
- स्ट्राम्बोली तुल्य: मैग्मा में गैस के बड़े बुलबुले का बनना
- वल्केनियन: अधिक विस्फोटक
- प्लीनियन तुल्य: मैग्मा की वाष्पशील गैसें एक संकीर्ण नलिका से होकर और बढ़ती हैं
- आइसलैंड तुल्य: अक्सर लावा पठारों का निर्माण करते हैं

❖ ज्वालामुखी के आकार के आधार पर:

- शील्ड ज्वालामुखी: बेसाल्टिक लावा से निर्मित, निम्न ढाल वाला
- शंकु ज्वालामुखी (सिंजर शंकु): सबसे प्रचुर मात्रा में
- मिश्रित शंकु (स्ट्रेटो ज्वालामुखी): विविध सामग्रियों की परतों द्वारा निर्मित।

● ज्वालामुखीय विशेषताएँ:

❖ बहिर्वेधी (Extrusive):

- क्रैटर: मैग्मा के लिये शंकु के आकार की निकास नलिका (vent)
- ज्वालामुखी कुंड (Caldera): बड़ा, क्रैटर के समान गड्ढा
- ज्वालामुखीय पठार: दरारों से निकलने वाले उद्गार से समतल हुआ क्षेत्र

❖ अंतर्वेधी (Intrusive):

- वैशोनिय: ज्वालामुखी पर्वत का मुख्य कोर
- डाइक: जब लावा का प्रवाह दरारों में धरातल के लगभग समकोण पर होता है
- सिल: अंतर्वेधी आग्नेय चट्टानों का क्षैतिज तल में एक चादर के रूप में ठंडा होना
- लैकोलिय: गुंबदनुमा विशाल अंतर्वेधी चट्टानें जिनका तल समतल व एक पाइपरूपी वाहक नली से नीचे से जुड़ा होता है
- गौण:
 - उष्ण जल स्रोत (Geysers): 100 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का भूमिगत जल, मैग्मा द्वारा संचालित होता है, जिसके परिणामस्वरूप भाप और तनु खनिजों के साथ शक्तिशाली विस्फोट होते हैं।
 - हॉट स्प्रिंग: फॉल्ट ज़ोन में गर्म जल धीरे-धीरे बहता है।

● ज्वालामुखियों का वितरण:

- ❖ निम्नस्खलन ज़ोन (परि-प्राशांत मेखला)
- ❖ अभिसरण ज़ोन (मध्य-अटलांटिक कटक)
- ❖ अंतरा-प्लेट समुद्री ज्वालामुखी (हवाई शृंखला)
- ❖ मध्य-महाद्वीपीय बेल्ट और भूमध्यसागरीय क्षेत्र में ज्वालामुखी

● भारत में ज्वालामुखी

- ❖ हिमालय में कोई ज्वालामुखी नहीं
- ❖ बैरेन द्वीप (एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी)

● ज्वालामुखी विस्फोट के उत्पाद:

- ❖ गैसें: H, C, O, S, N, CH₄, NH₃
- ❖ टोस: Pyroclastic materials
- ❖ द्रव: Lava



और पढ़ें: [ज्वालामुखी](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eruption-of-mount-ibu>